# BABASAHEB BHIMRAOAMBEDKAR BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR(BIHAR)-842001

**Ref:.....** **Date:.....**

## PRINT MEDIA CONVERAGE ON B.R.A. BIHAR UNIVERSITY NEWS COMPILSED BY MEDIA CELL (28.11.2024)

**HINDUSTAN, MUZAFFARPUR, DATE : 28.11.2024, PAGE-06**

बीआरए बिहार विश्वविद्यालय में आयोजित सांस्कृतिक महोत्सव-सह टीम चयन प्रतियोगिता में रंगोली बनाती प्रतिभागी छात्राएं।

# कल्पनाओं को आकृति दे रंगों से किया सजीव

मुजफ्फरपुर, प्रमुख संवाददाता। बीआरएबीयू सांस्कृतिक महोत्सव-सह टीम चयन प्रतियोगिता में बुधवार को तीसरे दिन ललित कला विधाओं की प्रतियोगिताएं सीनेट हॉल में आयोजित की गईं। प्रतिभागियों ने अपनी कल्पनाओं को आकृति देकर उसे रंगों से सजीव किया।

आरबीबीएम, एमडीडीएम, एलएनटी, आरडीएस, आरएमएलएस, एलएनटी, मोतिहारी, टीपी वर्मा कॉलेज, एमजेके बेतिया, नरकटियागंज, जमुनी लाल कॉलेज एवं आरएन, हाजीपुर और डीसी कॉलेज सकरा के लगभग 90 छात्र-छात्राओं ने इसमें भाग लिया। ऑन स्पॉट पेंटिंग, पोस्टर मेकिंग, कोलाज, कार्टूनिंग, स्पॉट फोटोग्राफी, रंगोली, मेहंदी में प्रतिभागियों ने प्रतिभा दिखाई। निर्णायक मंडल के सदस्यों में कलाकार मुकेश सोना, गोपाल फलक और सुजीत कुमार ने बहुत बारीकी से सभी विधाओं की कलाकृतियों का अवलोकन कर नौ प्रतिभागियों का चयन किया, जिनमें तीन का नाम रिजर्व में रखा गया है। इनमें प्रशिक्षण के दौरान विधावार छह का चयन अंतिम रूप से किया जाएगा। प्रशिक्षण 10 दिसम्बर से 25 दिनों तक चलाया जाएगा। 28 को नाट्य विधाओं की प्रतिगिताएं आयोजित की जाएंगी।

**BABASAHEB BHIMRAOAMBEDKAR BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR(BIHAR)-842001**

**Ref:.....** **Date:.....**

HINDUSTAN, MUZAFFARPUR, DATE: 28.11.2024, PAGE-06

## यूजी फर्स्ट सेमेस्टर : एक लाख 62 हजार विद्यार्थी हैं नामांकित

# 50 प्रतिशत ही भरे गए फॉर्म, 3 दिन समय बढ़ा

**बीआरएबीयू**

मुजफ्फरपुर, प्रमुख संवाददाता। बीआरएबीयू में 50 फीसदी छात्रों ने ही अबतक यूजी फर्स्ट सेमेस्टर का परीक्षा फॉर्म भरा है। 26 नवंबर तक ही अंतिम तिथि थी। इतनी कम संख्या में छात्रों के आवेदन भरे जाने पर विवि प्रशासन ने एकबार फिर तिथि बढ़ाई है।

विवि ने 29 नवंबर तक का समय फॉर्म भरने के लिए छात्रों को दिया है। विवि के दर्जनों कॉलेजों का हाल यह है कि 25 फीसदी छात्रों ने भी आवेदन नहीं दिया है। यूजी प्रथम सेमेस्टर सत्र 2024-28 के छात्र छात्राओं का यह मामला है। इस सत्र में एक लाख 62 हजार छात्र-छात्राएं नामांकित हैं। पिछले सत्र के भी 10 हजार ऐसे छात्र-छात्राएं हैं, जो फेल हैं या जिनका रिजल्ट पेंडिंग हैं।

कुल एक लाख 72 हजार को आवेदन करना है। यूएमआईएस कॉर्डिनेटर डॉ. टीके डे ने बताया कि बुधवार तक लगभग 80 हजार छात्र-छात्राओं ने परीक्षा फॉर्म भरा है। जिन छात्र-छात्राओं ने प्राचार्य से विषय बदलने को लेकर आवेदन अग्रसारित कराया है, उनका बदला जा रहा है। परीक्षा नियंत्रक ने कहा कि छात्रहित में 29 नवंबर तक 200 रुपए विलंब शुल्क के साथ परीक्षा फॉर्म भरने का निर्देश दिया गया है। सभी कॉलेज तीन दिसंबर तक छात्र-छात्राओं की सूची और परीक्षा शुल्क विवि में अनिवार्य तौर पर जमा कर देंगे।

- सत्र 2024-28 के छात्र छात्राओं का भरा रहा फॉर्म
- दर्जनों कॉलेजों में 25 फीसदी छात्रों ने भी नहीं भरा है फॉर्म

### पीजी चतुर्थ सेमेस्टर परीक्षा का आवेदन आज से

मुजफ्फरपुर। पीजी चतुर्थ सेमेस्टर (2022-24) का परीक्षा फॉर्म गुरुवार से भरा जाएगा। नौ दिसंबर तक विश्वविद्यालय कार्यालय में बिना विलंब शुल्क के फॉर्म स्वीकार किए जाएंगे। बीआरएबीयू ने परीक्षा फॉर्म भरने को लेकर निर्देश जारी कर दिया है। विवि के परीक्षा नियंत्रक ने निर्देश दिया है कि 13 दिसंबर तक 200 रुपये विलंब शुल्क के साथ फॉर्म जमा लिए जाएंगे। विद्यार्थियों को निर्देशित किया गया है कि वे अपने संबंधित विभाग-कॉलेजों से परीक्षा फार्म प्राप्त करें तथा विभागाध्यक्ष-प्राचार्य के निर्देशानुसार परीक्षा फार्म एवं शुल्क संबंधित विभाग-कॉलेजों में जमा कराएं। परीक्षा नियंत्रक ने कहा कि सभी विभागाध्यक्ष और प्रधानाचार्यों को निर्देश दिया गया है कि वे सत्यापित परीक्षा फॉर्म को जमा करें।

# BABASAHEB BHIMRAOAMBEDKAR BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR(BIHAR)-842001

**Ref:.....** **Date:.....**

DAINIK JAGRAN, MUZAFFARPUR, DATE : 28.11.2024, PAGE-04

# पीजी में छात्राओं को देना होगा शुल्क

## पूर्व में नामांकन समिति की बैठक में लिए निर्णय को विश्वविद्यालय ने बनाया आधार

जागरण संवाददाता, मुजफ्फरपुर : बीआरए बिहार विश्वविद्यालय में पीजी फोर्थ सेमेस्टर में नामांकन कराने वाले सभी वर्ग की छात्राओं और एससी-एसटी के छात्रों को भी शुल्क देना होगा। विश्वविद्यालय की ओर से पूर्व में पीजी फोर्थ सेमेस्टर की परीक्षा के लिए भरे जा रहे फार्म पर लगी रोक हटा दी है। बुधवार को कुलपति के निर्देश पर परीक्षा फार्म भरे जाने का आदेश जारी किया गया है। पूर्व में विश्वविद्यालय में नामांकन समिति की बैठक में लिए गए निर्णय को आधार बनाकर यह तय किया गया है कि विद्यार्थियों को नामांकन शुल्क देना होगा। दूसरी ओर सरकार की ओर से नामांकन संबंधी प्रतिपूर्ति राशि विश्वविद्यालय को प्राप्त होने पर छात्र-छात्राओं के खाते में इसे लौटा दिया जाएगा। दूसरी ओर विश्वविद्यालय ने पीजी विभागाध्यक्षों से भी इसकी सहमति ली है।

बताया जा रहा है कि पीजी के विभिन्न सेमस्टरों में होने वाले नामांकन के लिए सभी ने शुल्क लिए जाने पर सहमति जताई है। इसके साथ ही गुरुवार से सभी पीजी विभागों से लेकर संबंधित कालेजों में परीक्षा फार्म भरने की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। पूर्व में पीजी विभागों में नामांकन शुल्क लिए जाने का चौतरफा विरोध हुआ था। इसके बाद छात्र-छात्राओं ने विश्वविद्यालय पहुंचकर आक्रोश व्यक्त किया था। छात्र-छात्राओं का कहना था कि राज्य सरकार के आदेश की अवहेलना कर पीजी विभागों में सभी वर्ग की छात्राओं और एससी-एसटी वर्ग के छात्रों से नामांकन शुल्क वसूला जा रहा है। छात्रों के बढ़ते आक्रोश को देखते हुए विश्वविद्यालय ने पीजी फोर्थ सेमेस्टर के लिए परीक्षा फार्म भरने की प्रक्रिया रोक दी थी।

कुलपति प्रो. डीसी राय की अनुमति के बाद सत्र 2022-24 के तहत परीक्षा फार्म भरने की प्रक्रिया शुरू की जा रही है। विद्यार्थी गुरुवार से नौ दिसंबर तक बगैर विलंब शुल्क के परीक्षा फार्म भर सकेंगे। वहीं 200 रुपये विलंब शुल्क के साथ 13 दिसंबर तक परीक्षा फार्म भरेंगे। इसके बाद इसकी सूची विश्वविद्यालय को उपलब्ध करानी है। विश्वविद्यालय की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि पीजी फोर्थ सेमेस्टर के छात्र-छात्राएं अपने विभाग और संबंधित कालेज से परीक्षा फार्म प्राप्त करेंगे। साथ ही शुल्क के साथ इसे अपने विभाग में जमा करेंगे। यह फैसला पीजी विभागाध्यक्षों और प्राचार्यों की सहमति से लिया गया है।

- पीजी फोर्थ सेमेस्टर में आज से भरे जाएंगे परीक्षा फार्म, विश्वविद्यालय प्रशासन ने हटाई लगाई गई रोक
- सरकार की ओर से प्रतिपूर्ति राशि प्राप्त होने पर छात्र-छात्राओं के खाते में लौटा देगा विश्वविद्यालय

## विलंब शुल्क के साथ 29 तक भर सकेंगे फार्म

जागरण संवाददाता, मुजफ्फरपुर: बीआरए बिहार विश्वविद्यालय ने चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम के प्रथम सत्र में नामांकित छात्र-छात्राओं के लिए परीक्षा फार्म भरने की तिथि विस्तारित कर दी है। अब तक किसी कारणवश परीक्षा फार्म भरने से वंचित विद्यार्थी 200 रुपये विलंब शुल्क के साथ शुक्रवार यानी 29 नवंबर तक तक फार्म भर सकेंगे। इसको लेकर विश्वविद्यालय की ओर से अधिसूचना जारी की गई है। परीक्षा नियंत्रक डा. सुबालाल पासवान ने बताया कि सभी अंगीभूत से लेकर संबद्ध कालेजों को इसकी जानकारी दी जा रही है। यह फार्म भरने की अंतिम तिथि है। इसके बाद तिथि विस्तारित नहीं होगी। उन्होंने बताया कि सभी कालेज छात्र-छात्राओं की सूची के साथ परीक्षा शुल्क विश्वविद्यालय कार्यालय में तीन दिसंबर तक जमा कर सकेंगे। उल्लेखनीय है कि सत्र 2024-28 के तहत स्नातक प्रथम सेमेस्टर में नामांकित छात्र-छात्राओं के लिए फार्म भरने की प्रक्रिया चल रही है।

## दूसरे व छठे सेमेस्टर की पांच दिसंबर से आयोजित होगी परीक्षा

जागरण संवाददाता, मुजफ्फरपुर: बीआरए बिहार विश्वविद्यालय ने चार वर्षीय बीएड के दूसरे और छठे सेमेस्टर की परीक्षा का संशोधित कार्यक्रम जारी किया है। इसके तहत सत्र 2021-25 के छठवें सेमेस्टर की परीक्षा 5 से 11 दिसंबर तक चलेगी। यह परीक्षा दूसरी पाली में दोपहर एक बजे से शाम चार बजे तक होगी। सत्र 2023-25 के दूसरे सेमेस्टर की परीक्षा पहली पाली में सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक ली जाएगी। 5 से 11 दिसंबर तक 6 पेपर की परीक्षा होगी।

## पोर्टल पर नाम जोड़ने से पहले होगा सत्यापन

जागरण संवाददाता, मुजफ्फरपुर: बीआरए बिहार विश्वविद्यालय की ओर से कन्या उत्थान योजना पोर्टल पर नए संबद्ध कालेजों का नाम जोड़ने से पूर्व उनका सत्यापन होगा। इसका प्रस्ताव विश्वविद्यालय की ओर से तैयार किया गया है। करीब 19 संबद्ध कालेजों ने सभी दस्तावेज विश्वविद्यालय को उपलब्ध कराया है। इस आधार पर कालेज लगातार विश्वविद्यालय में जानकारी हासिल करने पहुंच रहे हैं। उनका कहना है कि प्रस्तुत किए गए सभी दस्तावेज सही हैं। शपथ पत्र भी विश्वविद्यालय को उपलब्ध कराया गया है। दूसरी ओर विश्वविद्यालय के स्तर से इन कालेजों के आधारभूत संरचना, नामांकन, रिजल्ट, शिक्षक समेत अन्य मानकों के आधार पर जांच होगी। इसमें सबकुछ मानक के अनुसार पाए जाने पर ही उनका नाम मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना के पोर्टल पर जोड़ने की अनुशंसा होगी। मान्यता वाले विषयों और पिछले सत्रों का रिजल्ट भी पोर्टल पर अपलोड करना होगा। कालेजों की जांच कैसे होगी। इसकी अब तक कोई योजना नहीं बन सकी है। बताया जा रहा है कि निरीक्षण टीम या अलग से समिति का गठन कर कालेजों की जांच कराई जा सकती है। राज्य सरकार के स्तर से पिछले साल ही स्थाई संबद्धता वाले कालेजों से स्नातक उत्तीर्ण करने वाली छात्राओं को मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना का लाभ देने की घोषणा हुई। इसके बाद से लगातार पोर्टल बंद है।

# BABASAHEB BHIMRAOAMBEDKAR BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR(BIHAR)-842001

**Ref:.....** **Date:.....**

DAINIK JAGRAN, MUZAFFARPUR
DATE : 28.11.2024, PAGE-04

## ललित कला विधा में 90 छात्र-छात्राएं शामिल

**मुजफ्फरपुर** : विश्वविद्यालय सांस्कृतिक महोत्सव सह टीम चयन प्रतियोगिता में बुधवार को सीनेट हाल में ललित कला विधाओं की प्रतियोगिता हुई। सीनेट हाल में आयोजित इस प्रतियोगिता में विभिन्न कालेजों के 90 छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया। निर्णायक मंडल के सदस्यों में मुकेश सोना, गोपाल फलक और सुजीत कुमार शामिल हुए। नौ प्रतिभागियों का चयन किया गया है।(जास)

Ref:.....  Date:.....

DAINIK BHASKAR, MUZAFFARPUR, DATE:28.11.2024, PAGE-02

बदलाव • स्थाई संबद्धता वाले कॉलेजों की छात्राओं को भी मिलना है योजना का लाभ

# संबद्ध कॉलेजों का नाम कन्या उत्थान पोर्टल पर जोड़े जाने से पहले होगा फिजिकल वेरिफिकेशन

एजुकेशन रिपोर्टर | मुजफ्फरपुर

बीआरए बिहार विश्वविद्यालय के संबद्ध कॉलेजों का नाम मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना के पोर्टल पर जोड़ने के लिए फिजिकल वेरिफिकेशन कराया जाएगा। सरकार ने स्थाई संबद्धता वाले कॉलेजों से स्नातक उत्तीर्ण छात्राओं को भी इस योजना के तहत 50 हजार रुपए देने की घोषणा की है। ऐसे में विश्वविद्यालय से संबद्ध 19 कॉलेजों की छात्राओं को भी यह लाभ मिलने की उम्मीद बढ़ी है। हालांकि, इन कॉलेजों के नाम अब तक पोर्टल पर नहीं जोड़े गए हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन का कहना है कि पोर्टल पर नाम जोड़ने से पहले कॉलेजों का फिजिकल वेरिफिकेशन होगा। इसमें कॉलेजों की वर्तमान स्थिति, इंफ्रास्ट्रक्चर, फैकल्टी, एडमिशन और पूर्व के रिजल्ट के साथ ही संबंधित विषयों की मान्यता से जुड़े डॉक्युमेंट्स की भी जांच होगी। सब कुछ सही होने पर ही कॉलेजों का नाम पोर्टल पर जोड़ा जाएगा। साथ ही मान्यता वाले विषय और पिछले सत्रों का रिजल्ट भी पोर्टल पर अपलोड करना होगा जिसके आधार पर छात्राओं को योजना का लाभ मिलेगा। हालांकि, इस पर अब तक यह निर्णय नहीं हो सका है कि विश्वविद्यालय की इंस्पेक्शन टीम कॉलेजों की जांच करेगी या इसके लिए अलग से कमेटी गठित होगी। विश्वविद्यालय स्तर पर जांच के बाद रिपोर्ट मिलने पर ही होगी आगे की कार्यवाही : सरकार ने पिछले साल ही स्थाई संबद्धता वाले कॉलेजों की छात्राओं को मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना का लाभ देने की घोषणा की। लेकिन, उसके बाद से पोर्टल लगातार बंद है। । संबंधित सत्र में इन विषयों से स्नातक उत्तीर्ण करने वालीं छात्राओं का नाम भी विश्वविद्यालय द्वारा ही जोड़ा जाना है।

## अभी अंगीभूत कॉलेज की छात्राओं को ही मिलता है लाभ

मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना की घोषणा 2018 में हुई थी। उस समय सिर्फ अंगीभूत कॉलेजों से स्नातक उत्तीर्ण करने वालीं छात्राओं को ही योजना के लाभ के लिए चुना गया था। उनके भी सिर्फ सरकार से मान्यता वाले कोर्स की पढ़ाई करने पर ही। कई कॉलेजों में सेल्फ फाइनेंस मोड में जिन विषयों की पढ़ाई हो रही थी, उससे स्नातक करने वालीं छात्राओं को लाभ नहीं मिला। शुरुआत में योजना के तहत स्नातक उत्तीर्ण छात्राओं को 25 हजार रुपए दिए गए जिसे बढ़ाकर अब 50 हजार कर दिया गया है।

## 94.8 फीसदी बच्चों का नहीं बना अपार आईडी

मुजफ्फरपुर | जिले के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले 94.8 फीसदी बच्चों का अब तक अपार आईडी नहीं बन सका है। विभाग की ओर से लगातार निर्देश के बाद भी स्कूल स्तर पर सक्रियता नहीं दिख रही है। आईडी बनाने में 6 प्रखंडों की स्थिति सबसे खराब है। जिला स्तर पर समीक्षा के बाद जिला शिक्षा विभाग ने लापरवाही बरतने वाले 7 प्रखंडों के डाटा एंट्री ऑपरेटरों से स्पष्टीकरण मांगा है। इनमें मोतीपुर, कटरा, गायघाट, सकरा, कुढ़नी, औराई और मुशहरी के ऑपरेटर शामिल हैं। डीपीओ एसएसए सुजीत दास ने सभी डाटा एंट्री ऑपरेटरों को कहा है कि शीघ्र छात्र-छात्राओं का अपार आईडी बनाया जाए।

# BABASAHEB BHIMRAOAMBEDKAR BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR(BIHAR)-842001

**Ref:.....** **Date:.....**

DAINIK BHASKAR, MUZAFFARPUR, DATE : 28.11.2024, PAGE-04

### बिहार विवि • सभी छात्र-छात्राओं से लिया जाएगा शुल्क, सरकार को भेजी जाएगी डिमांड

# 9 तक भर लें पीजी फोर्थ सेमेस्टर का परीक्षा फॉर्म, दस से 13 तक विलंब शुल्क लगेगा

एजुकेशनरिपोर्टर | मुजफ्फरपुर

बीआरए बिहार विश्वविद्यालय ने पीजी सत्र 2022-24 के फोर्थ सेमेस्टर में नामांकित छात्र-छात्राओं के परीक्षा फॉर्म भरने पर लगी रोक हटा दी है। गुरुवार से सभी पीजी विभागों से लेकर संबंधित कॉलेजों में परीक्षा फॉर्म भरने की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। पिछले दिनों विश्वविद्यालय द्वारा परीक्षा फॉर्म भरने को लेकर गाइडलाइन जारी होने पर एससी-एसटी छात्रों व सभी वर्ग की छात्राओं की फीस को लेकर विरोध शुरू हो गया। इस कारण फॉर्म भरने पर रोक लगा दी गई। चूंकि सरकार पीजी तक सभी वर्ग की छात्राओं व एससी-एसटी छात्रों के लिए निःशुल्क शिक्षा की घोषणा कर चुकी है। ऐसे में एडमिशन रोक दिया गया। अब सभी विभागाध्यक्षों की सहमति के बाद विश्वविद्यालय की ओर से बुधवार को उक्त रोक हटा दी गई। कुलपति प्रो. डीसी राय की अनुमति से सत्र 2022-24 के तहत परीक्षा फॉर्म भरने की प्रक्रिया शुरू की जा रही है। विद्यार्थी गुरुवार से 9 दिसंबर तक बगैर विलंब शुल्क के और 200 रुपए विलंब शुल्क के साथ 13 दिसंबर तक परीक्षा फॉर्म भरेंगे। सभी विभागों व कॉलेजों को 13 दिसंबर के बाद परीक्षा फी और छात्र-छात्राओं की सूची विश्वविद्यालय को उपलब्ध करानी है। विवि की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि पीजी फोर्थ सेमेस्टर के छात्र-छात्रा विभाग और कॉलेज से परीक्षा फॉर्म प्राप्त करेंगे।

**शुल्क पर विवाद के बाद लगी थी रोक : एचओडी की सहमति से अब हटाई गई है**

## स्नातक फर्स्ट सेमेस्टर का विलंब शुल्क के साथ 29 तक भरें फॉर्म

विश्वविद्यालय ने चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम सत्र 2024-28 के प्रथम सेमेस्टर में नामांकित छात्र-छात्राओं के लिए परीक्षा फॉर्म भरने की तिथि विस्तारित कर दी है। फॉर्म भरने से वंचित विद्यार्थी 200 रुपए विलंब शुल्क के साथ शुक्रवार तक फॉर्म भर सकेंगे। परीक्षा नियंत्रक डॉ. सुबालाल पासवान ने बताया कि सभी अंगीभूत से लेकर संबद्ध कॉलेजों को इसकी जानकारी दी जा रही है। यह फॉर्म भरने की अंतिम तिथि है। पहले विलंब शुल्क के साथ 26 नवंबर तक का समय दिया गया था। परीक्षा नियंत्रक ने बताया कि सभी कॉलेज छात्र-छात्राओं की सूची के साथ परीक्षा शुल्क विश्वविद्यालय कार्यालय में 3 दिसंबर तक जमा कर सकेंगे।

## मैट्रिक और इंटर परीक्षा केंद्र की रिपोर्ट न देने पर 40 को रिमाइंडर

मुजफ्फरपुर| बिहार बोर्ड की अगले वर्ष होनेवाली मैट्रिक व इंटर की परीक्षा के लिए 40 स्कूल-कॉलेजों से इंफ्रास्ट्रक्चर व आवासन क्षमता सहित अन्य रिपोर्ट नहीं मिली है। जिला शिक्षा विभाग ने तीसरी बार केंद्राधीक्षकों को रिमाइंडर भेजा है। जिला शिक्षा अधिकारी की ओर से कहा गया है कि बोर्ड को समय से रिपोर्ट नहीं भेजे जाने पर सारी जवाबदेही संबंधित केंद्राधीक्षक की होगी। जिला शिक्षा विभाग की ओर से ऐसे 40 केंद्रों की सूची बनाई गई है, जहां से संसाधनों की रिपोर्ट नहीं मिली है। इनमें शहर के टॉप कॉलेजों से लेकर प्लस टू विद्यालय तक शामिल हैं। केंद्राधीक्षकों द्वारा अब तक संसाधनों की रिपोर्ट नहीं देने के कारण बिहार विद्यालय परीक्षा समिति को रिपोर्ट नहीं भेजी जा सकी है। केंद्राधीक्षकों को केंद्र की अवासन क्षमता, सुविधा, पेयजल, रौशनी, बाउंड्री, एक पाली में अधिकतम आवासन, परीक्षा कक्षों की संख्या, उपलब्ध उपस्कर और अन्य जरूरत, बिजली, मूलभूत सुविधाएं आदि की जानकारी उपलब्ध करानी है। केंद्राधीक्षकों की ओर से लगातार लापरवाही बरती जा रही है। बता दें कि कि वर्ष 2025 में होने वाली इंटर परीक्षा के लिए जिले में कुल 74 और मैट्रिक की परीक्षा के लिए 83 केंद्र बनाए गए हैं।

# BABASAHEB BHIMRAOAMBEDKAR BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR(BIHAR)-842001

**Ref:.....** **Date:.....**

**PRABHAT KHABAR, MUZAFFARPUR, DATE : 28.11.2024, PAGE-04**

प्रतियोगिता के बाद निर्णायक मंडल के सदस्य व शिक्षकों के साथ विजेता प्रतिभागी.

## ललित कला : हुनर को मिली पहचान, नौ छात्रों का चयन

- 10 दिसंबर से शुरू होगा चयनित प्रतिभागियों का प्रशिक्षण

**मुजफ्फरपुर** .बीआरएबीयू के सांस्कृतिक टीम के चयन को लेकर सीनेट सभागार में ललित कला के विधाओं की प्रतियोगिता आयोजित की गयी. इसमें आरबीबीएम कॉलेज, एमडीडीएम कॉलेज, एलएनटी कॉलेज, आरडीएस कॉलेज, डॉ आरएमएलएस कॉलेज, एलएनडी कॉलेज मोतिहारी, टीपी वर्मा कॉलेज, एमजेके कॉलेज, बेतिया, जमुनी लाल कॉलेज, आरएन कॉलेज हाजीपुर व डीसी कॉलेज सकरा के लगभग 90 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया. ऑन द स्पॉट पेंटिंग, पोस्टर मेकिंग, कोलाज, कार्टूनिंग, स्पॉट फोटोग्राफी, रंगोली, मेंहदी, क्ले मॉडलिंग एवं इंस्टॉलेशन में प्रतिभागियों ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया. निर्णायक मंडल के सदस्यों में प्रख्यात कलाकार मुकेश सोना, गोपाल फलक व सुजीत कुमार ने बहुत ही बारीकियों से सभी विधाओं की कलाकृतियों का अवलोकन कर नौ प्रतिभागियों का चयन किया. जिसमें तीन का नाम रिजर्व में रखा गया है. इनमें प्रशिक्षण के दौरान विधावार छह का चयन अंतिम रूप से किया जाएगा. 25 दिनों का प्रशिक्षण 10 दिसंबर से शुरू होगा.

सांस्कृतिक समन्वयक प्रो इन्दुधर झा ने कहा कि इसबार की प्रतियोगिताओं के बाद चलाए जाने वाले वर्कशाप में ही अंतिम रूप से प्रतिभागियों का चयन होगा. डॉ पयोली, डॉ रमेश विश्वकर्मा, डॉ रोजी सुलोचना, डॉ अमर बहादुर शुक्ला, डॉ शाजिदा अंजुम, डॉ तूलिका सिंह ने कार्यक्रम में भूमिका निभायी. विवि सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं के लिए 29 को होने वाले वाद-विवाद और एलॉक्यूशन के लिए टॉपिक निर्धारित किया गया है.

### फैसला. पीजी का परीक्षा फॉर्म भरने से हटी रोक

# विवि के सभी सत्रों के छात्र और छात्राओं से लेंगे फी

#### फी के विरोध के बाद फॉर्म भरने पर लगायी गयी थी रोक

वरीय संवाददाता, मुजफ्फरपुर

बीआरए बीयू की ओर से पीजी सत्र 2022-24 के चौथे सेमेस्टर में नामांकित छात्र-छात्राओं का परीक्षा फॉर्म भरने पर लगी रोक हटा दी गयी है. सभी पीजी विभागों और कॉलेजों में गुरुवार से परीक्षा फॉर्म भरने की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी. परीक्षा फॉर्म भरने को लेकर विश्वविद्यालय की ओर से दिशानिर्देश के बाद एससी-एसटी छात्रों व सभी वर्ग की छात्राओं को फीस लेने का विरोध शुरू हो गया. इसके बाद विश्वविद्यालय ने फॉर्म भरने पर रोक लगा दी थी. छात्र नेताओं ने कहा था कि सरकार ने सभी छात्राओं और एससी-एसटी छात्रों से फी लेने पर रोक लगायी थी. इसके बाद भी विश्वविद्यालय छात्राओं से फी ले रही है. विश्वविद्यालय में सभी पीजी विभागाध्यक्षों के साथ बैठक के बाद फी लेने पर सहमति बनी है.छात्र-छात्राएं 9 दिसंबर तक बिना विलंब शुल्क और 10 से 13 दिसंबर तक 200 रुपये विलंब शुल्क के साथ परीक्षा फॉर्म भर सकते हैं. सभी विभागों और कॉलेजों को कहा गया है कि वे इसके बाद फी जमा करेंगे.

#### 29 नवंबर तक विलंब शुल्क के साथ भरें फॉर्म

**मुजफ्फरपुर.** बीआरएबीयू की ओर से स्नातक प्रथम सेमेस्टर सत्र 2024-28 में नामांकित छात्र-छात्राओं के लिए परीक्षा फॉर्म भरने की तिथि 29 नवंबर तक विस्तारित कर दी गयी है. अबतक फॉर्म नहीं भरने वाले छात्र-छात्राओं को 200 रुपये विलंब शुल्क के साथ शुक्रवार तक मौका दिया गया है. परीक्षा नियंत्रक डॉ सुबालाल पासवान की ओर से इसको लेकर पत्र जारी किया गया है. उन्होंने बताया कि बड़ी संख्या में छात्र फॉर्म भरने से वंचित हो गये थे. छात्रों की शिकायत के बाद विलंब शुल्क के साथ दो दिनों का मौका दिया गया है. बता दें कि इस सत्र में करीब 1.60 लाख छात्र-छात्राएं नामांकित हैं.

**पांच से शुरू होगी चार वर्षीय बीएड की परीक्षा** : बीआरएबीयू की ओर से चार वर्षीय बीएड की परीक्षा का संशोधित कार्यक्रम जारी किया गया है. दूसरे व छठे सेमेस्टर की परीक्षा 5 दिसंबर से शुरू होगी. सत्र 2021-25 के छठे सेमेस्टर की परीक्षा 5 से 11 दिसंबर तक चलेगी. सत्र 2023-25 के दूसरे सेमेस्टर की परीक्षा पहली पाली में सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक ली जाएगी. वहीं 5 से 11 दिसंबर तक छठे सेमेस्टर की परीक्षा दूसरी पाली में दोपहर एक बजे से शाम चार बजे तक ली जाएगी.